

Hier an Usius The Gazette of India

श्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--- खण्ड 3--- उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ff)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 581] नई विल्ली, शनिवार, नवस्वर 27, 1971/अग्रहायण 6, 1893

No. 581] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 27, 1971/AGRAHAYANA 6, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रालग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 27th November 1971

- **S.O.** 5248.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act. 1952 (74 of 1952), by the Kanpur Commodity Exchange Limited, Kanpur, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act. recognition to the said Exchange for a further period of one year from 27th November, 1971 to 26th November, 1972 both days inclusive in respect of forward contracts in linseed.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Exchange shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. F.12(9)-I.T./71.]

R. K. TALWAR. Jt. Secy.

श्रीद्योगिक विकास मंत्रालय

(प्रातिशक व्यापार विभाग)

ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1971

का० ग्रा० 5248.—केन्द्रीय सरकार, दी कानपुर कमोडिटी एक्सचेंज कानपुर द्वारा मान्यता के पुनर्नवीकरण के लिए अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन दिए गए आवेदन पर, वायदा बाजार आयोग से परामर्थ करके, विचार कर लेने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संगम को अलसी की अग्रिम संविदाओं की बाबत 27 नवम्बर, 1971 से लेकर 26 नवम्बर, 1972 तक, जिसमें ये दोनों दिन सम्मिलत हैं, एक वर्ष की श्रितिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

 एतद्द्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के श्रध्यधीन है कि उक्त संगम वायदा बाजार झायोग द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निदेशों का श्रनुपालन करेगा ।

> [सं० 12(9)-माई० टी०/71] भार० के० तलवार, संयुक्त संजिष ।